वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 120 | सोमवार 28 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दुनिया की सबसे ऊंची सड़क पर जयपुर की 'बुलेट रानी'

अकेली पथरीले रास्तों पर बाइक चलाकर पहुंची, सुरक्षा के लिए पहनती हैं ज्वेलरी

जयपुर की भांकरोटा निवासी विजया शर्मा का कहना है कि बाइक से उमलिंग-ला दर्रा पहुंचने वाली वह राजस्थान की अकेली सोलो बाइक राइडर हैं। उन्हें पहली बाइक उनके ससुर ने दिलाई थी। वह कश्मीर से कन्याकुमारी तक 104 घंटे में बाइक से सफर भी कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि राइडिंग के दौरान वे चांदी के गहने पहनकर निकलती हैं।

जयपुर. कासं

जयपुर की 'बुलेट रानी' विजया शर्मा ने दुनिया की सबसे ऊंची सड़क उमलिंग-ला दर्रा पर अकेले बाइक राइड की है। इस जर्नी में विजया ने पांच हजार किलोमीटर का सफर अकेले ही पूरा किया है। उन्होंने बारिश के बीच पथरीले रास्तों से होते हुए बुलेट-450 के जरिए उमलिंग-ला दर्रा पर तिरंगा लहराया। इस सड़क का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। जयपुर की भांकरोटा निवासी विजया शर्मा का कहना है कि बाइक से उमलिंग-ला दर्रा पहुंचने वाली वह राजस्थान की अकेली सोलो बाइक राइडर हैं। उन्हें पहली बाइक उनके ससुर ने दिलाई थी। वह कश्मीर से कन्याकुमारी तक 104 घंटे में बाइक से सफर भी कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि राइडिंग के दौरान वे चांदी के गहने पहनकर निकलती हैं। कहीं फंस जाती हैं या रुपए की जरूरत पड़ती है तो चांदी के गहने दे देती हैं। उन्होंने बताया- इससे वे

सुरक्षित महसूस करती हैं। लद्दाख क्षेत्र के पूर्वी भाग में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास लेह से 230 किमी दूर कोयुल लुंगपा और सिंधु नदी के बीच की सीमा पर यह सड़क है। यह दर्रा समुद्र तल से 19 हजार 300 फीट की ऊंचाई पर है। सर्दी के मौसम में यहां का पारा माइनस 40 डिग्री तक लुढ़क जाता है। विजया ने बताया- रास्ते में मुश्किलें बहुत आईं। मैंने बारिश के टाइम को चुना, ऐसे में समस्याएं तो आनी ही थी। मुझे पहले अमरनाथ यात्रा करनी थी। 9 जुलाई को जयपुर से यात्रा शुरू की। पहले पहलगांव चली गई। पहलगांव से कश्मीर और बालटाल पहुंची। यहां एक रात रुकने के बाद रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद अमरनात्र पैदल गई।

ससुर साहब ने दिलवाई थी पहली बाइक

उन्होंने बताया- मेरे घर में हमेशा बाइक रही है। जॉब के लिए पहली बाइक मेरे ससुर ने दिलवाई थी। इसके बाद मैंने बजाज की दो और बाइक चलाई। इसमें मेरे पति ने सहयोग किया। स्कूल-कॉलेज में जॉब करने जाती थी। वहां बाइक चलाती थी। एक बार जॉब छोड़कर आ गई। मेरे हाथ में 12000 रुपए थे। बेटी से बोला कि मुझे गोवा जाना है। बेटी ने कहा आपको जाना चाहिए। उस वक्त एक स्टोरी पढ़ी थी, जिसमें सड़क पर एक महिला पंक्चर निकालती थी। उसकी कहानी थी। इस कहानी से मैं इंस्पायर हुई। सोचा की यह महिला सड़क पर अकेले पंक्चर निकालती है। इसमें इतनी हिम्मत है। मैं भी अकेले कुछ भी कर सकती हूं। विजया ने बताया- राइड पर लोग सोने-चांदी की चीजे पहनकर कभी नहीं निकलते। मैं राइडिंग के वक्त पैर में पायल सहित अन्य चीजे पहनकर निकलती हूं। मेरा मानना है कि जब कभी मुझे रास्ते में जरूरत हो।

फैशन शो में दिखें लाइफ के डिफरेंट कलर्स

स्टूडेंट्स ने शो किए हेरिटेज ऑफ जयपुर, विक्टोरियन युग, मेल्टिंग ऑफ टाइम थीम के डिजाइनर ड्रेस

जयपुर. कासं

एलन कॉलेज ऑफ डिजाइन की ओर से 26 अगस्त की शाम फैशन शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने अपने डिजाइनर ड्रेसेस के कलेक्शन्स को मॉडल्स के जरिए रैंप पर प्रदर्शित किए। डिजाइन अलग-अलग थीम पर बेस्ड रही। जैसे विक्टोरियन युग, मेल्टिंग ऑफ टाइम, हेरिटेज ऑफ जयपुर, ओसियन आदि पर आधारित डिजाइनर ड्रेस। इसमें 'विक्टोरिया सीक्रेट' थीम में महारानी विक्टोरिया के युग से इंस्पायर होकर गाउन, कॉर्सेट आदि को स्टाइल करके बच्चे रैंप पर लेकर आये। सेकेंड ईयर के स्टूडेंट्स ने प्रसिद्ध कलाकार 'सल्वाडोर डाली' की पेंटिंग 'मेल्टिंग ऑफ टाइम' से प्रेरित - होकर विभिन्न इंडोवेस्टर्न व वेस्टर्न ड्रेसेस को नेट फैब्रिक, साटन व सिल्क से डिजाइन किया। दर्शकों ने इस कलेक्शन में विचार निर्माण

की एक विस्तृत श्रृंखला देखी। छात्रों ने हवा महरा और सिटी पैलेस जैसे स्मारकों, उनके पेंट और आर्किटेक्ट विवरण से प्रेरणा लेकर भी डिजाइनर ड्रेसेस रैंप पर उतारी। प्रेरी फेरी कलेक्शन में बच्चो ने प्रकृति के तत्वों को बेहतरीन ढंग से कपड़ो में उतारा। लास्ट ईयर की छात्राओं ने नायसा थीम पर एक होपफुल गर्ल के भावों को ड्रेसेस के माध्यम से व्यक्त किया। निरान थीम में मरीन लाइफ के तत्वों को जैसे पल बीड्स आदि को प्रदर्शित किया।

श्री महावीरजी पहुंचने पर श्रीमहावीरजी मंदिर कमेटी के नवनिर्वाचित मानद मंत्री सुभाष चंद जैन का हुआ भव्य स्वागत

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मंदिर कमेटी के नवनिर्वाचित मानद मंत्री सुभाष चंद जैन का रविवार को श्री महावीरजी पहुंचने पर सर्व समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। गौरतलब है कि पिछले दिनों पूर्व मंत्री महेंद्र कुमार पाटनी के निधन होने के बाद दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मंदिर कमेटी ने सर्व सहमति से मानद मंत्री के पद पर जयपुर निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी सुभाष चंद जैन को मनोनीत किया गया था रविवार को श्री महावीरजी आगमन पर नवनिर्वाचित मंत्री सुभाष चंद जैन का राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल से लेकर मुख्य मंदिर तक सभी समाज ओर से अभिनंदन किया गया। सर्वप्रथम बैंड बाजों के साथ मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, नवनिर्वाचित मंत्री सुभाष चंद जैन को जलूस के साथ सांस्कृतिक मंच से मुख्य मंदिर तक लाया गया जहां मूल नायक प्रतिमा के दर्शन के बाद मंदिर स्थित कमेटी हॉल में ग्राम पंचायत श्री महावीर जी के सरपंच यादराम गुर्जर, जैन समाज के अध्यक्ष ज्ञानचंद कासलीवाल, मंत्री संजय छाबड़ा, निर्मल बज, विमल पांडया, दिनेश कुमार जैन, विकास कासलीवाल, जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन, कोषाध्यक्ष संजय जैन भंडारी, सचिव विकास पाटनी, उपाध्यक्ष राजकुमार पांडया, संरक्षक महेश कासलीवाल, अग्रवाल समाज की ओर से बैद्यनाथ

गोयल, बाबू सिंघल, हरि गोयल, ब्राह्मण समाज की ओर से रामोतार शर्मा, चिंतामणि शर्मा, मीणा समाज की ओर से नारंगा मीणा, गुर्जर समाज की ओर से हरचरण पटेल, वेद बने सिंह, सिद्धि पटेल, रामनिवास पटेल सिरमौर पटेल, सैनी समाज की ओर से तरुण कुमार सैनी ने साफा,माला व शाल से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, कमेटी सदस्य पीके जैन, मैनेजर नेमी कुमार, विशेष अधिकारी विकास जैन प्रशासनिक सहायक अधिकारी साहब सिंह, हवलदार मोहर सिंह सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे कार्यक्रम का मंच का संचालन पंडित मुकेश शास्त्री ने किया।

चिकित्सा शिविर में दिव्यांगों को लगाए कृत्रिम हाथ

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में वैशाली यात्री निवास परिसर में रविवार को आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में दिव्यांग जनों को निशुल्क कृत्रिम हाथ कृत्रिम वितरण किए गए । शिविर का विधिवत उदघाटन अध्यक्ष सुधांशू कासलीवाल, मानद मंत्री सुभाष जैन के कर कमलों द्वारा किया गया । क्षेत्र के प्रबंधक नेमी कुमार पाटनी ने बताया कि श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में रोटरी क्लब जयपुर मैजेस्टि , श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी ओर कम्युनिटी आई केयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वाधान से निशुल्क कृत्रिम हाथ चिकित्सा शिविर भी आयोजित हुआ । कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन सत्र आयोजित हुआ उद्घाटन के मौके पर प्रबंध कारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल व मानद मंत्री सुभाष जैन, सदस्य पीके जैन, एस एल गंगवाल न्रे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा है नर सेवा ही नारायण सेवा के उद्देश्य से ये शिविर का आयोजन किया गया है दिव्यांगों की सेवा के लिए शिविर में 29 कृत्रिम हाथ लगाकर दिव्यांगों को सौगात दी गई। इस मौके पर प्रबन्ध समिति के पिसी जैन रोटरी सीए एस एल गंगवाल , कमल जैन, सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

गुणगान से मनाया गया मरूधर केसरी एवं लोकमान्य संत जन्मजयंती समारोह अहिंसा भवन में

अहिंसा के पुजारी और भक्तों के भगवान थे मरूधर केसरी और लोकमान्य संतः महासती प्रितीसुधा

निलिप्का जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अहिंसा के पुजारी और भक्तों के भगवान थे पूज्य गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा.एवं लोकमान्य संत रूप मुनि जी महाराज। रविवार अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे गुरू द्वव्य के जन्म जयंती समारोहों मे साध्वी प्रितीसुधा ने गुणवान करतें हुये कहा कि गुरूदेव ने मानवता की ही सेवा नहीं की बल्कि मूक प्राणियों की रक्षा के लिए सैकड़ों गौशालाएं खुलवाई और लाखो पशुओं को अभयदान दिलवाकर गौशालाओं मे गौ माता को शरण दिलवाई। और श्रमण संघ की स्थापना अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करते हुए सताई सम्प्रदाय के संतो को एक सूत्र मे बांधकर श्रमण संघ बनवाया। अपने तप साधना के बल मिश्री गुरू ने अनेक दिन दुखीयो के दुखः को साधना के दूर किया । उनके बताए अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे तभी हमारा जन्मजयंती मनाया सार्थक होगा। इसदौरान रूप रजत विहार से पधारी साध्वी डॉक्टर दर्शनप्रभा,साध्वी चेतना एवं विदुषी मधु सुधा,साध्वी संयमसुधा ने आदि सभी ने कहां गुरू कि महिमा का शब्दों मे बखान करना सूर्य को रोशनी दिखाने सम्मान है संत हो या गृहस्थ या राजनेता जो गुरूदेव के पास घंटों- घंटो तक बेठे रहते और अपनी समस्याएं गुरूदेव को बताते थें। गुरूदेव सभी की समस्याओं का निदान सहजता और सरलता से सुलझा देते थे।

संघर्षों के बीच संस्कारों को सुरक्षित रखें: आचार्य विनिश्चयसागर

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

भिण्ड। संघर्ष तो सबके जीवन में होता है, लेकिन सफल वो ही लोग होते है जो संघर्षों के बीच अपने संस्कार सुरक्षित रखे रहते हैं । उनका जीवन ही जीवन कहला पाता है और ऊंचाइयों तक पहुंच पाते हैं । उक्त विचार बाक्केशरी आचार्य श्री विनिश्चयसागर महाराज ने ऋषभ सत्संग भवन में नगर के गौरव साधु -साध्वियों के परिजनों के सम्मान समारोह में व्यक्त

किए। भिण्ड नगर के गौरव साधु साध्वियों के परिजनों के सम्मान समारोह के दौरान पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री ने कहा कि ये बहुमान हैं उन साधकों के प्रति और गौरव है उनके परिवारीजन का, जो उनके संस्कार आज उन्हें साधना के शिखर पर पहुंचा दिया है। परम पूज्य आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज के पावन सान्निध्य में मुख्य सम्मानकर्ता संजय जैन टीपू ने माला, शॉल, श्रीफल, जिनवाणी और अन्य सामग्री देकर उनका मान बढ़ाया। समाधिस्थ क्षुल्लिका विदर्भश्री माताजी स्व. श्री रूपचंद जैन के सुपुत्र संजय जैन टीपू, दुवेश जैन संजय ज्वेलर्स ने नगर के सभी साधु साध्वियों के परिजनों का सम्मान किया। आचार्य श्री के चतुर्मास के दौरान भिंड नगर के विभिन्न जिनालयों में महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में आज श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर देव नगर कॉलोनी कुआ वाले में आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज ससंघ सान्निध्य में मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक व शांतिधारा का कार्यक्रम बालकों द्वारा किया गया ।

सीकर भूमि विकास बैंक चेयरमैन कैलाश जी शर्मा का राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष द्वारा सम्मान

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। कुदन श्री रघुनाथ जी मंदिर में रविवार को सर्व ब्राम्हण समाज सभा का आयोजन किया गया । जिसमें कुदन गोठड़ा भुकरान अजीतपुरा गांव के ब्रहामण शामिल रहे। यह आयोजन 3 सितम्बर को जयपुर में होने वाली सर्व ब्राम्हण समाज की सभा होने जा रही है उसमे शामिल होने का सन्दर्भ में किया गया था। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा, प्रदेश महामंत्री राजेश कौशिक, चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रूपराज भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज दिनेश शर्मा, सीकर ब्राह्मण सभा अध्यक्ष महावीर कलवाड़िया व समाज के अनेक गणमान्य नागरिक व माताएं बहनें व बच्चे उपस्थित रहे। सुरेश मिश्रा को गांव वालों ने साफा माला व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अन्य सदस्यों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गांव के भूमि विकास बैंक चेयरमैन कैलाश शर्मा का राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा द्वारा साफा माला तथा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया ।

पल्लीवाल जैन मंदिर में शेखर अध्यक्ष एवम अमर मंत्री निर्वाचित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना. शाबाश इंडिया। श्री चंद्रप्रभु पल्लीवाल जैन मंदिर में प्रबंधकारिण कमेटी का निर्वाचन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मुरेना लोहिया बाजार स्थित श्री चंद्रप्रभु पल्लीवाल दिगम्बर जैन मंदिर के निर्वाचन अधिकारी द्वारिकाप्रसाद जैन एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर कमेटी के प्रबंध समिति के निर्वाचन में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, उपमंत्री, कोषाध्यक्ष, ऑडिटर का निर्वाचन होना था । जिसमें से अध्यक्ष व मंत्री को छोड़कर शेष सभी पदों पर एक एक उम्मीदवार होने की वजह से उन सभी को निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया । आज अध्यक्ष एवम मंत्री पद हेतु मत पत्रों के द्वारा निर्वाचन कराया गया । कुल 244 मतदाताओं में से 216 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया । मतदान के तुरंत बाद हुई मतगणना में अध्यक्ष पद के प्रत्याक्षी शेखर जैन ने 112 एवम उनके प्रतिद्वंदी महेशचंद जैन ने 101 मत प्राप्त किए एवम मंत्री पद के प्रत्याक्षी अमर जैन ने 147 मत एवम उनके प्रतिद्वंदी प्रमोद जैन लश्करिया ने मात्र 66 मत प्राप्त किए । दोनों पदों पर 3-3 मत निरस्त हुए। मतगणना पूरी होने के पश्चात अध्यक्ष पद पर शेखर जैन को एवम मंत्री पद पर अमर जैन को निर्वाचित घोषित किया गया ।

वेद ज्ञान

अंतिम सत्य

कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में युद्धारंभ के पूर्व जब भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म, उपासना और ज्ञान का उपदेश दिया था तब अंत में अर्जुन ने पूछा था, प्रभु! इस संसार में सत्य क्या है? इसके उत्तर में श्रीकृष्ण ने कहा था, मित्र! इस संसार में एक ही तथ्य सत्य है और वह है इस धरती पर जन्म लेने वाले की अनिवार्यतः मृत्यु होना। यानी जो जन्मा है, वह मरेगा अवश्य। इसमें पशु, पक्षी कीट, पतंग, अनुरक्त और विरक्त का किसी प्रकार का कोई भेद नहीं है। प्राणी की मृत्यु पर किसी एक विचारक ने मृत्यु की अनिवार्यतः के संबंध में यह भी कहा है कि मृत्यु के लिए तीन स्थितियां ऐसी होती हैं जो किसी की भी मृत्यु के पूर्व विद्यमान रहती हैं। उन स्थितियों में से एक है प्रत्येक प्राणी की मृत्यु के स्थान का पूर्ण निश्चित होना। दूसरी स्थिति है प्रत्येक मरणशील प्राणी की मृत्यु का पूर्व से ही समय निश्चित होना और तीसरी स्थिति है मरणधर्मा जीव की मृत्यु का कोई न कोई कारण होना। किसी भी प्राणी की मृत्यु के पूर्व इन तीनों स्थितियों का होना जहां अपरिहार्य है, वहीं इन तीनों स्थितियों पर मरने वाले जीव का कोई वश नहीं है। प्रायः कभी-कभी हम यह देखते हैं कि कोई जीव अपने मरण स्थान से बहुत दूर होता है, किंतु किसी न किसी कारण से वह अचानक ही वहां पहुंच जाता है जहां उसका मरण निश्चित होता। इस स्थिति को न तो मृत्यु प्राप्त होने वाला जीव जानता है और न उसके सगे-संबंधी ही जान पाते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्रत्येक प्राणी के मरण का स्थान निश्चित होता है। यही स्थिति समय और मरण के कारण की भी होती है इसीलिए यह कहा जाता है कि विद्या, कर्म, धन, आयु और निधन का स्वरूप जीव की मां के गर्भ में आते ही निश्चित हो जाता है जिसमें परिवर्तन कर पाना किसी के वश में नहीं होता है। इसलिए यही सिद्धांत है कि मनुष्य को अपना कर्म करते हुए निश्चिंत मन से जीवन जीना चाहिए। जो तथ्य अनिवार्य है, उससे डरना कैसा? आन, बान और शान से जीवन जिएं। स्वयं को असुरक्षित महसूस न करें। ईश्वर पर विश्वास रखने से व्यक्ति का असुरक्षा बोध खत्म हो जाता है।

संपादकीय

भारत और चीन के बीच दिखी उम्मीद की किरण

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच चल रहे विवादों के सुलझने की एक बार फिर उम्मीद बनी है। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने अपने अधिकारियों से सीमा विवाद सुलझाने को कहने का आश्वासन दिया। हालांकि ब्रिक्स सम्मेलन से पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि जब दोनों नेता वहां मिलेंगे, तो वास्तविक नियंत्रण रेखा के विवादों पर विस्तार से बात करेंगे। मगर ऐसा अवसर नहीं बन पाया। फिर भी सम्मेलन से इतर दोनों नेताओं ने इस संबंध में बातचीत की और उनका रुख सकारात्मक देखा गया। इससे यह संकेत साफ है कि दोनों के रिश्तों में वैसी खटास नहीं है, जैसी आमतौर पर दो देशों के बीच सीमा विवाद के चलते देखी जाती है। चीन ने भी भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल जी-20 के शिखर सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया में मिले थे। ब्रिक्स सम्मेलन में इनके मिलने से पहले इस मुद्दे पर दोनों देशों के वरिष्ठ सेनाधिकारियों की उन्नीसवें दौर की दो दिवसीय बातचीत हो चुकी थी, जिसमें विवाद खत्म करने का सकारात्मक संकेत दिखाई दिया था। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विवाद भारत की तरफ से पैदा नहीं हुआ है। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के अधिकार वाले क्षेत्रों में घुसपैठ और कब्जा करने का प्रयास करता रहता है। इसी के कारण 2020 में चीनी सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिसे लेकर संघर्ष हुआ और दोनों तरफ के सैनिक मारे गए थे। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। चीन ने भारत के हिस्से वाली कुछ जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती कर रखी है, जिसकी वजह से पहले जहां तक भारतीय सैनिक गश्ती किया करते थे, वहां तक नहीं जा पाते। गलवान, डेपसांग, डोकलाम, तवांग जैसे कई इलाकों में चीनी सैनिकों की घुसपैठ बताई जाती है। भारत चाहता है कि उन इलाकों में यथास्थिति बहाल हो। हालांकि दोनों देशों ने बातचीत के आधार पर कुछ इलाकों से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया है, मगर अब भी कई इलाके विवादित हैं। ये विवाद सुलझाने पर सहमति बनने की उम्मीद इस बात से नजर आती है कि चीन ने कभी बातचीत से अलग होने की कोशिश नहीं की। हालांकि वह अपनी शर्तों और जिद पर कायम रहता है, पर दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला चलता रहे, तो समाधान का रास्ता भी बनेगा। अगले महीने भारत जी-बीस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। उस दौरान भी दोनों देशों के नेता मिलेंगे। चीन बेशक अपनी विस्तारवादी नीति के तहत भारत पर दबाव बनाने और उसके इलाके में घुसपैठ की कोशिश करता है, पर उसे अच्छी तरह मालूम है कि भारत की हैसियत अब वैसी नहीं है कि उस पर दबाव बनाया जा सके। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ विज्ञान और तकनीक के मामले में भारत निरंतर आत्मनिर्भर हो रहा है।

परिदृश्य

उठे सवाल...

उत्तर प्रदेश के शामली जिले के नवोदय निद्यालय में एक छात्र को उसके कुछ सहपाठियों द्वारा यातना देने और उससे दुराचार की जैसी घटना सामने आई है, उससे एक बार फिर शैक्षिक परिसरों के भीतर बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि शामली नवोदय विद्यालय के छात्रावास में आठ छात्रों ने पीड़ित लड़के की न सिर्फ बुरी तरह पिटाई की, बल्कि गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म भी किया। यह घटना इसी महीने की है। आरोप है कि पिछले महीने भी पीड़ित बच्चे से उन्हीं छात्रों ने दुष्कर्म किया था। मगर मामले ने तूल तब पकड़ा, जब पीड़ित बच्चे और उसके परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस के पास दर्ज कराई। अब कार्रवाई के नाम पर फिलहाल आरोपी लड़कों को पंद्रह दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। हैरानी की बात है कि एक ही बच्चे के खिलाफ एक महीने में दो बार आपराधिक कृत्य को अंजाम दिया गया और विद्यालय प्रशासन की नींद तब खुली, जब पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई गई। घटना का जो ब्योरा सामने आ सका है, उससे साफ है कि स्कूल और छात्रावास में नियम-कायदों का पालन, अनुशासन आदि सुनिश्चित कराने को लेकर घनघोर लापरवाही बरती गई। इसका खमियाजा एक बच्चे को भुगतना पड़ा। सवाल है कि स्कूल प्रबंधन, प्रधानाध्यापक और छात्रावास प्रभारी अपने किस तरह के दायित्व-निर्वहन में लगे हुए थे कि आठ बच्चे अपराधियों की तरह संगठित तरीके से अपने एक सहपाठी को प्रताड़ित कर रहे थे और लगातार इसकी अनदेखी की जा रही थी। यह स्थिति तब थी, जब खबरों के मुताबिक पीड़ित छात्र ने अपने वर्ग-शिक्षक से इस बारे में शिकायत भी की थी। जब दुबारा उसके खिलाफ आपराधिक आचरण किया गया, तब उसके परिजनों ने पुलिस के पास मामला दर्ज कराया। आखिर किन वजहों से स्कूल प्रबंधन या सबंधित शिक्षक की ओर से इस तरह के मामले की अनदेखी या फिर इसे दबाने की कोशिश की गई! इस मामले में आरोपी छात्रों के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन और संबंधित शिक्षकों को भी कार्रवाई के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? यों देश भर में स्कूलों से आए दिन बच्चों को किसी शिक्षक द्वारा मामूली बातों पर सजा या यातना दिए जाने की खबरें आती रहती हैं। हालांकि आवासीय नवोदय विद्यालयों को पठन-पाठन से लेकर छात्रावासों तक के स्तर पर अपेक्षया बेहतर माना जाता है। मगर शामली नवोदय विद्यालय के छात्रावास से एक बच्चे के खिलाफ जैसी घटना सामने आई, वह सोचने को विवश करती है कि क्या इस स्तर के किसी स्कूल परिसर में पढ़ने वाले कम उम्र के बच्चे भी बाकायदा गिरोह बना कर आपराधिक हरकतें करने में लिप्त रहने लगे हैं! जाहिर है, यह न केवल इस तरह की हरकतों की अनदेखी का मामला है, बल्कि यह एक बड़ी विडंबना है कि विद्यालय परिसर में पठन-पाठन के बजाय इस तरह के अपराधों के प्रति कम उम्र के बच्चे प्रवृत्त हो रहे हैं। किसी स्कूल परिसर में यह कैसी संस्कृति का विकास हो रहा है? बच्चे इसकी चपेट में कैसे और किन माध्यमों से आ रहे हैं? सही है कि सभी बच्चे ऐसे नहीं होते हैं, लेकिन अगर एक घटना में आठ बच्चे संगठित होकर वयस्क अपराधियों की तरह किसी अपराध को अंजाम देते हैं तो यह बाकी तमाम बच्चों के लिहाज से चिंता की बात है।

मालवीय नगर विकास समिति सेक्टर 13 द्वारा चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर विकास समिति सेक्टर 13 के तत्वावधान में सूर्य पार्क, सेक्टर 13 मालवीय नगर में विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें अपार जनसमूह नें भाग ले कर अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्यायों को डॉक्टर सौरिक घोष एवं अमृता घोष के साथ साँझा कर उपचार प्राप्त किया, मौके पर ही निशुल्क दवा का भी वितरण किया गया इसी के साथ रक्त की निःशुल्क जाँचें भी की गई, शिविर की सफलता के लिए समस्त पदाधिकारियों, स्थानीय पार्षद श्रीमती राजुला सिंह, वेद प्रकाश सिंह, रमन मोहन कृष्णअत्रे (पूर्व अध्यक्ष), विमलेश जैन(वर्तमान अध्यक्ष), राकेश मित्तल (वसिष्ठ उपाध्यक्ष), दिनेश विजय (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), नरेंद्र अग्रवाल, दिलीप माथुर, ललित राठी, संजय चोपड़ा एवं कई गणमान्य व्यक्तियों नें अपनी सेवाएँ समाज को समर्पित की, इस आयोजन का संयोजन वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य मोहित चटर्जी एवं अभिनव चटर्जी ने किया, समिति भविष्य में भी आप सभी के सहयोग से इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

घर को त्याग कर मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ने के पूर्व बिनोली ओर गोद भराई कार्यक्रम आयोजित

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। आगामी जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करने के पूर्व आठ दीक्षार्थी ब्रह्मचारी भाई के लिए बिनौली एवं गोद भराई समारोह जैन समाज झुमरीतिलैया के सानिध्य में आयोजित किया गया, मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र से आए दीक्षार्थी भाई का स्वागत श्री दिगम्बर जैन मंदिर में समाज के पदाधिकारियों ने मुकुट माला पहनाकर, तिलक लगाकर स्वागत किया ।तत्पश्चात वहां से समाज के लोगों ने गाजे-बाजे के साथ उनको नगर भ्रमण करते हुवे जैन भवन में लेकर आए , जैन भवन में सभी आठो दीक्षार्थीओ ने अध्यात्म योगी जैन संत परम तपस्वी मुनि श्री 108 सुयशसागर जी मुनिराज से आशीर्वाद प्राप्त किया, उनका चरण प्रक्षालन किया ,इस अवसर पर मुनि श्री ने अपनी अमृतवाणी में कहा कि मनुष्य जीवन का सार ज्ञान का सेवन करते हुए संयम को धारण करना है, योग मिलने के बाद भी उपयोग ना करें तो वह जीवन बेकार है, जैन धर्म में दीक्षा लेने से बड़ा कोई संस्कार पद नहीं है आप सभी ने जिस पथ को चुना है वही मोक्ष मार्ग है,जैन दर्शन में जैनेश्वरी दीक्षा प्राप्त करके ही अपना आत्म कल्याण कर सकते हैं और भक्त से भगवान बन सकते हैं दीक्षा लेने वाले सभी युवा नेशनल डिफेंस का पद छोड़ कर, एमबीए,सीए, इंजीनियरिंग , कंपनी सेकेट्री प्राप्त किए छात्र हैं, जिनको जैन संत आचार्य श्री 108 गुरुदेव विशुद्ध सागर जी महामुनिराज मुनि दीक्षा प्रदान करेंगे ,संसार की मोह माया को छोड़कर इन लोगों ने भगवान बनने के लिए अपना कदम बढ़ाया है, व्यक्तित्व सुंदर हो तो कृतित्व भी सुंदर होता है वैराग्य वह है,जिसमें व्यक्ति हृदय से भीग जाए शुभ कार्य जितनी जल्दी हो कर लेना चाहिए, मेरा सभी दीक्षार्थी ब्रह्मचारी भाई को बहुत-बहुत आशीर्वाद है, आज के कार्यक्रम का मंच संचालन कार्यक्रम के संयोजक अक्षय भैया जी ने किया।

निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा, एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं मर्म चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर। आयुर्वेद विभाग राजस्थान, स्वास्थ्य योग परिषद, जैन इन्जीनियर्स सोसायटी जयपुर साऊथ चैप्टर, विश्व गायत्री पीठ और रिद्धि सिद्धि पीठ के संयुक्त तत्वावधान मे केशव विहार पार्क ,रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपाल पुरा बाईपास के पास निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा , एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं मर्म चिकित्सा का विशाल चिकित्सा एवं परामर्श शिविर लगाया गया । इस शिविर मे डॉ.शंकर सहाय पारीक, डॉ.शकुन्तला गहनोलिया, डॉ.रवि पीपलीवाल ने एवं प्रसिद्ध एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ डॉ.पीयूष त्रिवेदी ने विभाग की ओर से निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श सेवा प्रदान की । इस शिविर मे सेवानिवृत्त डॉ. के.पी सिंह नाथावत जी ने भी रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श सेवायें प्रदान की। इस शिविर मे आयुर्वेद चिकित्सा के साथ साथ एक्यूप्रेशर मे भी रोगियों की काफी संख्या रही। इस अवसर पर आयुर्वेद विभाग जयपुर संभाग के अतिरिक्त निदेशक महोदय डॉ. जितेन्द्र सिंह कोठारी द्वारा केम्प का निरीक्षण किया गया एवं इस अवसर पर द्वारा विस्तृत मार्ग दर्शन दिया। चिकित्सा शिविर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया एवं इस शिविर मे आयुर्वेद और एक्यूप्रेशर तथा मर्म चिकित्सा द्वारा लगभग 478 रोगियों ने चिकित्सा व औषध लाभ प्राप्त किया ।

जैन मिलन सेंट्रल का नाक-कान-गला रोग शिविर सम्पन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। जैन मिलन सेंट्रल द्वारा रविवार को जैन नर्सिंग होम में नाक-कान- गला रोग परीक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमे 97 रोगी लाभान्वित हुए। जैन मिलन सेंट्रल के अध्यक्ष जितेंद्र जैन एवं मंत्री विपिन बाँझल ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को जैन नर्सिंग होम इंदिरा पार्क में नाक-कान- गला रोग परीक्षण शिविर का डॉ.रीतेश जैन ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया । इस शिविर में लीलावती अस्पताल मुम्बई के पूर्व चिकित्सक रहे नाक-कान- गला,मष्तिष्क एवं गर्दन रोग विशेषज्ञ डॉ.रीतेश जैन कांसल ने 97 मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया। आवश्यक होने पर मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी गई।सहोदरी गांव के 10 वर्षीय बालक माधव नामदेव के कान में गेहूं का दाना भर जाने से बहुत परेशान था उसके दोनों कान की सफाई कर दर्द से मुक्ति दिलाई गई। डॉ. रितेश जैन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।आयोजन में जैन नर्सिंग होम के अध्यक्ष विकास जैन,मंत्री मनीष जैन,अजय जैन,डॉ.नीलेश जैन मोनू,डॉ. पारस जैन,दिनेश कक्का,अजीत जैन,संजय जैन सहित अन्य का विशेष सहयोग रहा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवाकर द्वारा जरूरतमंदों को भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा जरूरतमंद व्यक्तियों को वीरेन्द्र कुमार जैन-श्रीमती मधु जैन के सौजन्य से उनके जन्मदिवस के उपलक्ष में एस एम एस हॉस्पिटल के गेट नम्बर - 5 पर भोजन करवाया। उसके बाद कार्यक्रम में पधारे हुए सदस्यों को भी भोजन करवाया। कार्यक्रम में अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल, वीरेन्द्र कुमार - मधु जैन, सुरेन्द्र कुमार जैन, प्रशांत छाबड़ा-कल्पना छाबड़ा, महावीर सेठी - प्रेमलता सेठी, प्रदीप कुमार - कौशल्या जैन एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित हुए। अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल के द्वारा विरेन्द्र कुमार जैन को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया ।

यागमण्डल विधान व वेदी प्रतिष्ठा महोत्सवः भगवान पार्श्वनाथ का हुआ भव्य महामस्तकाभिषेक

प्रवीण जैन. शाबाश इंडिया

पटना सिटी। हाजीगंज लंगूर गली स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में रविवार को यागमण्डल विधान व वेदी शुद्धि महोत्सव का आयोजन भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से किया गया। प्रतिष्ठा समारोह में प्रातः जैन समाज द्वारा भगवान की प्रतिमा पर जलाभिषेक, शांतिधारा किया गया। विश्वशांति की कामना करते हुए शांतिधारा का पवित्र उच्चारण जैन श्रद्धालुओं ने किया। श्री गुरारा मंदिर विकास समिति के तत्वावधान में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ का महामस्तकाभिषेक व शांतिधारा हुआ। मुरैना मध्यप्रदेश से पधारे बाल ब्रह्मचारी संजय भैया जी के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मीडिया प्रभारी प्रवीण जैन ने बताया कि भगवान पार्श्वनाथ वेदी में स्वर्ण पेंटिंग व नक्कासी का नव सौंदर्य रूप देने के साथ मंदिर को भव्यता और आकर्षक रूप देने के बाद विशेष पूजा-पाठ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सौंदर्यकरण के बाद सभी जिन प्रतिमाओं को जैन श्रद्धालुओं ने बारी-बारी समोशरण वेदी पर स्थापित किया। धार्मिक माहौल में जैन समाज के लोग जयकारों के बीच भक्ति में झूम उठे। हर्षोल्लासपूर्वक श्रद्धालुओं ने यागमण्डल विधान में अर्घ्य समर्पित कर प्रभु की आराधना की। बता दें कि जैन मंदिर की भव्यता और आकर्षक कलाकारी देखते बनती है। जो दर्शानर्थियों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

दुनिया ईंट का जवाब ईंट से देती है : गुरु मां विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी , जिला - टोंक (राज.) में भक्तों के द्वारा श्री 1008 शांतिनाथ महामण्डल विधान का आयोजन निरन्तर चल रहा है । गुरु मां के सान्निध्य में शांति विधान करने का सौभाग्य दिनेश झिलाई वालों को प्राप्त हुआ । सपरिवार ने 120 अर्घ्य चढाकर शांति प्रभु की विशेष आराधना की । गुरु भक्त कुसुम चूड़ीवाल गुहाटी ने पूज्य गुरु माँ की आहारचर्या का लाभ प्राप्त किया। श्रावक श्रेष्ठी प्रेमचन्द देवली वालों ने गुरु माँ का वात्सल्यमयी आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु माँ ने अपने उद्बोधन में कहा कि - संसार एक बहुत बड़ा घना जंगल है । और हमारा दिल एक आईने की तरह है । जंगल में यदि हम जोर से आवाज लगाते हैं तो ईको की तरह आवाज गूँजकर हमें ही सुनाई पड़ती है । ऐसा ही यह संसार है । यहाँ हम जो लोगों को देते हैं , लोगों से प्रतिफल में वहीं पाते हैं । दुनिया ईंट का जवाब ईंट से ही देते हैं।

व्यंग्यात्मक कहानीः दावेदारी

शाबाश इंडिया

अजय अपनी दादी को अखबार पढ़कर सुना रहा था कि पृथ्वी वासियों ने भी चांद पर अपनी दावेदारी जता दी है। भारत चांद पर पहुंचने वाला चौथा देश बना और चांद के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया । रक्षाबंधन से पहले ही धरती माता ने चांद मामा के राखी बांध दी है। तभी बीच में दादी बोली आज मेरा चश्मा टूट गया है, लगा मुझे कहानी सुनाने ! अरे दादी कहानी नहीं सच्ची बात है देखो तस्वीर जिसमें धरती माता राखी बांध रही है। हां,हां,हां अब जल्दी से मेरी लाठी ले आ मेरा भ्रमण पर जाने का समय हो गया है। तभी दरवाजे पर गाड़ी आकर रुकी। दादी बोली देखो अजय कौन है ? अजय बोला अरे दादी मुझे क्या पता कौन है। सामने से एक युवा आता हुआ बोला दादी मुझे नहीं पहचाना मैं दिलीप जी का बड़ा लड़का, अरे दिलीप का बड़ा लड़का राजन हां, क्या बात है दादी आपको तो मेरा नाम भी पता है । ये कौन है तेरे साथ, मेरे दोस्त है। अच्छा आज कैसे आना हुआ तेरा राजन। बबलू और उसकी पत्नी तो नौकरी पर गए हैं। राजन बस दादी आपका आशीर्वाद चाहिए था। अरें, क्या तू भी चांद पर जा रहा है। नहीं दादी आपके इस बेटे ने अपनी दावेदारी जता दी है। दादी ,कहां पर क्या जता दी है तूने। अरे दादी अबकी चुनाव में जनसेवा का भार संभाल रहा हूं। दादी बोली अच्छा चुनाव लड़ रहा है। हां, अच्छा है चुनाव लड़ो, मेरा आशीर्वाद तो सदैव तुम्हारे साथ है। ठीक है दादी दोबारा से पैर छूकर राजन गाड़ी में बैठ कर चल दिया। उधर दादी भी चल दी भ्रमण के लिए, जाते-जाते अपने पोते अजय से बोली बेटा। मै जब तक वापस नहीं आती हूं दरवाजा मत खोलना। अजय बोला ठीक है दादी, यह लो आपकी लाठी अभी दरवाजे पर पहुंची ही थी कि एक और गाड़ी दादी के ठीक सामने आकर रुकी साड़ी पहने हुए घूंघट में दादी के पैर छुए । मैं यामिनी, अरे यामिनी तू आज इतनी जल्दी में कैसे, सब कुशल मंगल तो है ना, यामिनी बोली हां दादी मां बस आपका आशीर्वाद लेने आई थी। दादी भी समझ चुकी थी कि उसके राज्य में चुनाव होने वाले हैं। और सभी लोग अपनी अपनी दावेदारी जता रहे। दादी कुछ बोलती उससे पहले ही यामिनी तो गाड़ी में बैठकर चलती बनी। दादी भ्रमण से वापस लौट कर घर आई तो अजय ने दरवाजा खोला और बोला दादी लगता है आज तो पूरे देश को आपके आशीर्वाद की आवश्यकता है। दादी बोली ऐसा क्या हुआ। अजय बोला अब तक छः लोग तो आ चुके हैं आपका आशीर्वाद लेने। मैने तो खिड़की से ही मना कर दिया और बोला कि शाम को आना अभी दादी भ्रमण के लिए बगीचे में गई हुई है । अजय और कुछ बोलता उससे पहले ही दीपक आ गया । दादी आपका आशीर्वाद चाहिए। दादी बोली आज तो सभी को मेरा आशीर्वाद चाहिए । जब दादी को जरूरत होती है तब कोई संभालने नहीं आता। दादी ऐसा क्यों बोलती हों, मैं तो हमेशा सबकी सहायता के लिए तैयार खड़ा रहता हूं। अरे दीपक तेरी बात अलग है। तुझे तो पता है उम्र हो गई है तेरी दादी की अस्सी में एक कम। मैने तो अपने आपको फिट रख रखा है इसलिए हाथ पैर चल रहे है । दीपक अबकी बार अपने क्षेत्र में कुछ ज्यादा ही दावेदार हो गए है। जिम्मेदारी संभाली नहीं जाती है इनसे और दावेदारी जता रहें है। अरे, क्या चुनाव भी कोई दावेदारी से जीत सकता है भला। ये तो जनसेवा है। जनता जिसके काम से खुश होगी उसे ही सौंप देगी जनप्रतिनिधि का खिताब, तभी कुसुम आ गई और बोली अरे दादी मां क्या हुआ आज तो आपके घर सुबह से ही गाडियां बहुत आ रही है। अरे कुछ नहीं कुसुम बता तेरे काका अबकी बार चुनाव में दावेदारी नही जता रहें क्या? कुसुम नहीं दादी हर बार उन्हें टिकट मिलने का आश्वाशन मिलता है और अंत में टिकट किसी और को दे दिया जाता है। इसलिए सारे घर वाले नाराज हैं । इस बार चुपचाप घर में ही बैठे है। हां ठीक है, अभी तो चलती हूं, शाम को आती हूं। दीपक बेटा तुमसे एक बात कहूं तुम बुरा मत मानना तुम मेरे दिल के बहुत करीब हों। देखो इन सबके चक्कर में मत पड़ो अपनी मेहनत से अपने व्यापार को संभालो। वैसे भी तुझे समाज सेवा करनी है वह तो तू वर्षो से कर रहा है। तभी उस क्षेत्र का वर्तमान जन प्रतिनिधि वहां आ गया। अरे सुमन काकी स्वास्थ्य कैसा है आप का। दादी बोली बिल्कुल ठीक है तू बता आज कल जनसेवा का काम कैसा चल रहा है तेरा। ठीक-ठाक चल रहा है। बस अब आपके आशीर्वाद की आवश्यकता ज्यादा है। क्यों क्या हुआ ? लगता है मेरे दुश्मन ज्यादा हो गए है, देखो मेरे सामने कम से कम बीस से पच्चीस दावेदार खड़े हो गए है। वर्षों से राजनीति में हूं पर ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। मुझे पता है। पहली बार आपने ही मुझे सलाह दी कि मैं जनसेवा करूं बस इसलिए आपका आशीर्वाद लेने आया हूं। दीपक दादी की तरफ देख रहा था। अरे बलबीर ज्यादा चिंता मत कर जरा शांत रह पहले तो ठंडा पानी पी और सोच ऐसी नौबत क्यों आई । तभी एक लड़का अपने हाथ में कैमरा लेकर आ गया और बोला साहब तस्वीर ले लूं क्या सोशल साइट पर डालने के लिए। दादी ने उसे मना कर दिया और बोली तुम्हारे साहब अभी थोड़ी देर में आते हैं तुम गाड़ी में जाकर बैठो। अरे बलवीर मुझे याद है कि तेरा नामांकन पहली बार तेरे काका ने ही भरा था। पर मुझे कहना तो नहीं चाहिए लेकिन अब वक्त बदल गया है।आज की जनता काम देखती हैं वो भी धरातल पर। सपनों की दुनिया को आज के युवा नहीं मानते। बलबीर पर काकी मैं तो सभी की सेवा करता हूं। काकी बोली, मुझे लगता है तूने जो अपने सलाहकार रखे हैं। वो कलाकारी करते रहते हैं। आज इसलिए ऐसी नोबत आई हैं नही तो ऐसा नहीं होता। तेरी पार्टी को जिताऊ उम्मीदवार चाहिए, हो सकता है उन्हें तेरे जीतने की आशंका कम लगती हों। ये तो पता नहीं काकी, मेरा तो एक पैर राजधानी में एक पैर यहां लगा रहता है । दादी ,चल अभी पता करते हैं । तू जा अंदर बैठ में आती हूं। दीपक जाकर कुसुम को बुला ला, कुसुम के पास पूरे क्षेत्र की खबर रहती है । कुसुम ने बलवीर को पहले कभी प्रत्यक्ष नहीं देखा था। हमेशा बलवीर का नाम सुनती या तस्वीरो में ही देखती थी। अरे दादी क्या हुआ ? कुछ नही कुसुम मेरा एक रिश्तेदार आया है जरा चाय, नाश्ता बना दे । क्यों नहीं दादी, दीपक दादी के पास बैठ गया। अब दादी कुसुम से पूछ रही है की अबके अपने क्षेत्र में किसे जन प्रतिनिधि चुनना है। क्या तेरी महिला मंडली पुराने वाले को ही वापस कमान देना चाहती है। अरे दादी नहीं, अबकी बार वो नया लड़का है ना क्या नाम है उसका, पवन उसे समर्थन देने की सोची है। दादी क्यों क्या हुआ पुराने वाले को बहुत सालों का अनुभव है। क्षेत्र में विकास भी तो बहुत करवाया है उसने। वैसे भी राजनीति में उम्र और योग्यता देखी नहीं जाती । कुसुम बोली दादी ,आपको पता नही है महिलाएं हर समय उसे कोसती रहती है। जन प्रतिनिधि को मत देने का मतलब अपना मन देना है। जिसको अपना मन दे दिया उससे महिलाओं को अपेक्षा ज्यादा होती है। सुबह जागने से लेकर रात को सोने तक सौ बार उलाहना देती है। कैसे कुसुम जरा विस्तार से समझाना। कुसुम लो पहले चाय पी लो दादी। अब देखो आज ही की बात ले लो सुबह बच्चों के लिए नाश्ता बनाने लगी तो बिजली चली गई । सोचा कपड़े हाथ से ही धो लेती हूं तो पता चला पिछले दो दिन से पानी नहीं आया। सोचा जब तक बिजली आती है तब तक थोड़ा राशन का सामान लेकर आती हूं । रास्ता इतना खराब था की समझ में नहीं आ रहा था सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, गाड़ी पिंचर हो गई और घर आकर राशन का हिसाब लगाया वो भी दो हजार रूपए महंगा। ये तो रोजमर्रा की बात है। शाम को तुम्हारा बेटा घर आया और बोलने लगा साहब ने किसी अपने आदमी को लगाने के चक्कर में मुझे दूसरी जगह भेज दिया है। अब बताओ यह कोई न्याय संगत बात थोड़ी है कि अपने लोगो को रखने के चक्कर में आम आदमी को आम की तरह चूस कर फेंक दिया जाएं। अबकी बार मैंने तो पूरा मन बना लिया है नए को मौका देंगे, कुछ तो बदलाव होगा। अच्छा दादी अभी तो मैं चलती हूं। दादी के पैर छुए और चली गई। बलवीर दादी की तरफ देख रहा था।दादी बोली जीतने के लिए एक-एक मत कीमती होता है । खासतौर पर महिलाओं का अब वो जमाना तो रहा नहीं की जैसा घर वाले कहेंगे उसी के अनुसार मत देगी। अब आगे तेरी जनसेवा, मेरा आशीर्वाद तो सदैव तेरे साथ है। बलवीर चुपचाप गाड़ी में बैठा और चलता बना।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

नि:शुल्क हड्डी जांच शिविर में 58 लाभान्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमालादेवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से 11 वा निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विषेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) द्वारा अरिहंत हेल्थ सेंटर पर 10 बजे से 2 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर संयोजक वीर रमेश कुमार पहाड़ियां वीर कमल गोड वीर सोहनलाल वर्मा ने बताया कि हड्डी रोग शिविर में 58 रोगियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। शिविर में 21 एक्सरे, खुन संबंधी 30 जाँचे निःशुल्क की गई। शिविर प्रभारी नरेश जैन ने बताया कि अजित पहाड़ियां कैलास चन्द जैन, रामावतार गोयल, अशोक अजमेरा, नंदकिशोरजी टेलर, तेजकुमार बड़जात्या सम्पत बगड़िया, सुनील पाटनी, महेश लढा, चन्दु राम, बोदूराम ने निःस्वार्थ सेवाएं दी।

आचार्य सौरभ सागर महाराज सानिध्य में ...

21 वां जैन आध्यात्मिक ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर, युवा ले रहे है धर्म की शिक्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के प्रताप नगर स्थित सेक्टर 8 के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में समाज के युवाओं (लड़के/लड़की) जिनकी उम्र 40 साल तक है को लेकर 21 वां जैन आध्यात्मिक ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन 24 अगस्त से लगातार चल रहा है। शिविर के चौथे दिन समाज के हर वर्ग के लड़के, लड़कियां, बालक, बालिका भाग लेकर धर्म की शिक्षा ले रहे है और जीवन में धर्म के महत्व की शिक्षा ले रहे है। रविवार को चौथे दिन 300 से अधिक युवाओं ने शिविर में भाग लिया। शिविर संयोजक राकेश जैन पचाला और मनीष जैन टोरडी ने बताया की आचार्य श्री के सानिध्य में आयोजित शिविर के माध्यम से ना केवल युवाओं को धर्म की शिक्षा दी जा रही है बल्कि युवाओं आध्यात्मिक ज्ञान का महत्व भी सिखाया जा रहा है उन्हे संस्कार वान बनाने का शिक्षण शिविर चलाया जा रहा है। इस शिविर को तीन भागों में बांटा गया है जिसमें एक वर्ग बालक और बालिकाओं का दूसरा वर्ग अविवाहित युवक और युवतियों का और तीसरा वर्ग विवाहित युवक और युवतियों का। तीन भागों में बांटकर शिविर में बालक/बालिकाओं को धर्म की शिक्षा दी जा रही है, अविवाहित युवक और युवतियों को ज्ञान और संस्कार की शिक्षा दी जा रही है और विवाहित युवक और युवतियों को परिवार, समाज और धर्म तीनों की शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। निर्देशक जिनेन्द्र कुमार जैन जीतू ने बताया की इस शिविर में प्रताप नगर सेक्टर 8 का युवा मंडल और बालिका मंडल ना केवल अपनी सेवाएं दे रहे है बल्कि शिविर में भाग लेकर अपने आपको धर्म और समाज के अध्यात्म का ज्ञान भी प्राप्त कर रहे है इस शिविर में जगतपुरा, श्योपुर रोड़, सांगानेर, प्रताप नगर सेक्टर 3, 5, 17, मानसरोवर, बापू नगर सहित विभिन्न कॉलोनियों के युवा बढ़ - चढ़कर भाग ले रहे है। यह शिविर 29 अगस्त तक संचालित होगा और 30 अगस्त को रक्षा सूत्र पर्व एवं भगवान श्रेयांसनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया जायेगा।

तुम अपनी श्रद्धा दिखाओ, हम तुम्हें भगवान से मिलेंगे: आचार्य सौरभ सागर

शिविर के चौथे दिन युवाओं को संबोधित करते हुए आचार्य सौरभ सागर महाराज ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि श्रद्धा जीवन की अमर सम्पदा है। श्रद्धा के अभाव में परमात्मा तत्व की उपलब्धि नहीं होती। अश्रद्धालु कभी किसी को अपना इष्ट स्वीकार नहीं करता है। बिना इष्ट को स्वीकार किए आत्म निष्ठ नहीं बना जाता, हमारा श्रद्धान ही हमें भगवान देने में कारण है इसलिए मैं कहता हूं तुम इन्हें (देव, शास्त्र, गुरु) श्रद्धा दो, वे (देव, शास्त्र, गुरु) तुम्हे भगवान देंगे। आगे आचार्य श्री ने कहा कि-श्रद्धा का अर्थ झुकना है। किसी भी वस्तु की प्राप्ति के लिए झुकना आवश्यक है। सिंह को जब शिकार करना होता है तो वह पहले झुकता है, बाद में शिकार की ओर छलांग लगाता है। वह भी पहले झुकता है, बाद में पाता है। कुएं से पानी निकालने के लिए झुकना आवश्यक है, बिना झुके कुएं से पानी नहीं निकाल पाते। उसी प्रकार बिना श्रद्धा समर्पण के परमात्मा को नहीं प्राप्त कर सकते। जिस प्रकार घर में महिलाएं पहले झाड़ू लेकर झुकती है, तभी सफाई कर पाती है। उसी प्रकार बिना श्रद्धा के झुके आत्मा की सफाई नहीं होती, परमात्मा का मिलन नहीं होता।

आगामी सम्मेद शिखर जी तीर्थ वंदना हेतु तीर्थ यात्रा समिति का गठन

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। जैन समाज सीकर से जुड़ी संस्था जय जिनेंद्र ग्रुप प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी तीर्थ यात्रा आयोजित करने जा रहा है ।शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी हेतु यह यात्रा 25 दिसंबर से 3 जनवरी 2024 के मध्य प्रस्थान करेगी । संस्था अध्यक्ष पुनीत छाबड़ा व मंत्री अजय जैन ने बताया संस्था की वार्षिक मीटिंग में इस बार जैन धर्मावलंबियों के सबसे बड़े व मुख्य आस्था केंद्र झारखंड स्थित पारसनाथ की पहाड़ियों पर सम्मेद शिखर जी की तीर्थ वंदना आयोजित की जाएगी ।जिसमें जिला सीकर गुजरात, मणिपुर, जयपुर रांची, रानोली दूजोद, कुचामन, कुकनवाली, रामगढ़ मंडा, सुरेरा,पलाड़ा आदि 28 स्थान के जैन श्रावक 10 दिवसीय तीर्थ यात्रायात्रा में सम्मिलित होंगे ।संस्था की मीटिंग के दौरान अमर रारा गुवाहाटी व मोनू छाबड़ा ने सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए रेल व्यवस्था हेतु पुनीत छाबड़ा व अजय जैन , बस व्यवस्था हेतु पंकज अजमेरा व राजेश शाह जयपुर रोहित मोदी सीकर अमित बड़जात्या किशनगढ़, आवास व्यवस्था हेतु मुकेश पाटनी नागवा वाले व विशाल जैन कुचामन प्रदीप विनायक्या, भोजन व्यवस्था हेतु केसर रारा दुजोद व अमित महालजिका, मोना बाकलीवाल जयपुर , सूरज काला, मुकेश जैन को मुख्य संयोजक नियुक्त किए गया ।तीर्थ यात्रा समिति के मुख्य मार्गदर्शक प्रसिद्ध समाज सेवी कमल गंगवाल गुवाहाटी ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस तीर्थ यात्रा में जय जिनेंद्र ग्रुप सीकर की यह नवीं तीर्थ यात्रा होगी जिसमें जनमानस श्रेष्ठीजनो के सहयोग से हजारों लोग प्रतिवर्ष नए-नए तीर्थ का दर्शन कर अपने जीवन को धन्य कर पाते हैं।

आपाके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

माधुरी शास्त्री को मिला साहित्यकार सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

तुलसी मानस संस्थान जयपुर के तत्वावधान में तुलसी जयंती एवं साहित्यकार सम्मान समारोह टोक रोड स्थित श्रीरामंदिप परिसर में आयोजित किया गया। इस मौके पर श्रीमतीमाधुरी शास्त्री को साहित्यकार सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष साहित्य अकादमी राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ इंदु शेखर व मुख्य वक्ता कला संकाय राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अधिष्ठाता डॉ. नंदकिशोर पांडेय रहे। तुलसी मानस संस्थान के अध्यक्ष राम लक्ष्मण गुप्त ने बताया कि माधुरी शास्त्री को यह सम्मान उनकी उत्कृष्ट कृति यशोगाथा राम की के लिए दिया गया है। माधुरी शास्त्री को पूर्व में भी कई सम्मान मिल चुके हैं। माधुरी शास्त्री को पूर्व में ब्रजभाषा अकादमी के द्वारा भी साहित्यकार सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा साहित्य निधि पुरस्कार, स्वर्गीय श्रीमती गायत्री वैश्य सम्मान, स्पंदन संस्थान के द्वारा सम्मान सम्मान, बाल साहित्य सम्मान, व द्वारका सेवा निधि द्वारा प्रतिभा सम्मान से सम्मानित हो चुकी है। श्रीमती शास्त्री की कई रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं। इन्होंने बाल साहित्य पर भी कई पुस्तकों का लेखन किया है।

भव्य जैन मंदिर का शिलान्यास समारोह का हुआ आयोजन

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। यश विहार के पीछे श्रुत सवेगी मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ मंदिर एवं सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में भव्य जैन मंदिर का शिलान्यास समारोह 27 अगस्त प्रातः हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक के साथ संपन्न हुआ। जयकारों से सारा वातावरण गूंज उठा। मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि जो धनी जिन बिम्ब के साथ जिन मंदिर निर्माण कार्य करवाता है। वह पुण्य रूपी फल प्राप्त करते हैं। इससे बड़ा पुण्य नहीं है। मंदिर में जब तक नित्य पूजादी होती रहती है,उसके कताओं को धर्म की प्राप्ति होती रहती है। मुनि श्री ने कहा कि जिन धर्म की वृद्धि से अच्छे कर्म का बन्ध होता है। भव्य पुरुषों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जिन मंदिर बनवाने में सहयोग करना चाहिए। प्रारंभ में त्रिलोक चंद, सौरभ छाबड़ा परिवार ने विधि- विधान से मंत्रोच्चारण द्वारा ध्वजारोहण किया। इस उपरांत मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र.पीयूष भैया एवं पदमचंद काला के निर्देशन में घीसालाल- श्रीमती विमला झाझरी परिवार ने मुख्य शीला नवीन निव में रखी। दूसरे क्रम में देवीलाल बाकलीवाल, सोहनलाल गंगवाल, श्रीमती शांति देवी चौधरी, श्रीमती उर्मिला देवी लुहाडिया, माणक चंद गोधा परिवारजनों ने शिलाऐ रखी। श्रीमती शकुंतला नंदलाल कोठारी, लक्ष्मीकांत जैन, रूपेश कुमार कासलीवाल, भागचंद गोधा,कमल कुमार शाह परिवारजनों ने नवीन निव में कलशो की स्थापना करी। मूल नायक पार्श्वनाथ स्फटिक मणि की 6 फीट ऊंची पद्मासन प्रतिमा दिनेश कुमार सुरेश कुमार सेठिया परिवार द्वारा नवीन वेदी पर विराजित होगी। गुलाबचंद, मनीष शाह परिवार द्वारा मूल वेदि बनाने का सौभाग्य प्राप्त किया। अचल यंत्र की स्थापना संपत लाल, मुकेश सेठिया परिवार ने की। इसके अलावा चांदी का फावड़ा, गेती, करणी, तगारी, पारा, बाल्टी, संबल, गेज, सिक्के, पांच रत्न, दीपक, स्वर्ण ईट, रजत ईट, ताम्र ईट, शिखर की मिट्टी श्रेष्ठीजनो द्वारा निव में स्थापित किया।

जिनवाणी श्रवण से दूर हो जाते मोह माया, निर्मल व पावन होती आत्माः इन्दुप्रभाजी म.सा.

कनफ्यूज रहने वाला नहीं बता सकता सही राह, आत्मज्ञानी ही बन सकता पथ प्रदर्शक : समीक्षाप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। जिनवाणी श्रवण करने से अनादिकाल से जो मोह, माया, राग, द्वेष, लोभ आदि हमारी आत्मा से चिपके हुए वह दूर हो जाते है और मन निर्मल-पावन बन जाता है। हम सच्चे मन से भगवान की भक्ति करते है तो सुफल अवश्य प्राप्त होता है। गुरूओं ने अपने पसीने से धर्म की कमाई की जिसका लाभ हम भी उठा रहे है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में रविवार को श्री अरिहन्त विकास समिति के तत्वावधान में मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. की 133वीं जयंति एवं एवं लोकमान्य संत शेरे राजस्थान रूपचंदजी म.सा. की 96वीं जयंति के उपलक्ष्य में अष्ट दिवसीय गुरू द्वय पावन जन्मोत्सव के चौथे दिन महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि श्रावक व्रत अंगीकार करने पर हमारा यह भव ही नहीं परभव भी सुधर जाएगा। जीवन की सार्थकता भोग में नहीं होकर त्याग में ही है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि ये दुनिया मायावी है और आत्मा ही असली है। खुद कनफ्यूज रहने वाला कभी सही राह नहीं दिखा पाएगा। जो आत्मज्ञानी होगा वही जीवन में सही पथप्रदर्शक हो सकता है। इंसान जानता है कि वह अकेले आया ओर वैसे ही वापस भी जाना है इसके बावजूद वह अनजान बनकर परिग्रह

बढ़ाने में जुट जाता है। उन्होंने कहा कि हम जिनवाणी के जितने नजदीक रहेंगे उतने संसार के धक्कों से दूर रहेंगे। साध्वीश्री ने श्रावक के 12 व्रतों में से सामायिक व्रत की महिमा बताते हुए कहा कि सामायिक करने से जन्मों-जन्मों के पापों का क्षय होने के साथ दान, शील, तप व भावना का लाभ मिलने से मोक्ष के चारों दरवाजे खुल जाते है। सामायिक के माध्यम से सबसे बड़ा दान अभयदान भी कर सकते है। इस जन्म में हमने धर्म ज्ञान नहीं किया तो फिर देव ओर मनुष्य गति की प्राप्ति नहीं हो सकती। धर्मसभा में तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने कहा कि ये शरीर अनित्य व अशाश्वत होने से प्रभु कहते है कि प्राणी को क्षण मात्र का भी प्रमाद नहीं कर अपने कार्य में लगे रहना चाहिए। शरीर कांच के गिलास के समान है जो गिरते ही बिखर सकता है इसलिए शरीर से आत्मा जुदा हो उससे पहले जितना अधिक हो सके धर्म साधना कर लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह भाग्यशाली होते है जिन्हें गुरूओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होने शरीर को क्षणभंगुर बताते हुए भजन ''मत कर काया का अभिमान, मत कर माया का अहंकार'' की प्रस्तुति दी तो माहौल भावपूर्ण हो गया।

सौभाग्य दशमी पर जैन मंदिरों में हुए पूजा विधान

सौभाग्य की रक्षा के लिए महिलाओं ने रखे व्रत-उपवास

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों द्वारा शनिवार, 26 अगस्त को सौभाग्य दशमी मनाई गई ।इस मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये ।राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इसे सुहाग दशमी भी बोलते हैं। श्रावण शुक्ला दशमी को सुहाग दशमी सौभाग्य दशमी, अक्षय (फल) दशमी को महिलाओं द्वारा पुत्र रत्न की प्राप्ति एवं अपने सुहाग(पति), बच्चों एवं परिवार की सुख समृद्धि के लिए व्रत एवं उपवास किया गया। जैन के मुताबिक इस दिन महिलाओं द्वारा पति की लम्बी उम्र एवं स्वस्थ रहने एवं खुशहाली की कामना करते हुए उपवास किया गया ।दिगम्बर जैन मंदिरों में जैन धर्म के दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ एवं सौभाग्य दशमी व्रत की अष्ट द्रव्य से पूजा की गई ।श्योपुर प्रतापनगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में दिव्या बाकलीवाल के नेतृत्व में पूजा अर्चना की गई।इस मौके पर सोनम, श्वेता, मिनाक्षी, डिंपल, दिव्या, प्रियंका सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर में निर्मला, सुनिता, तनवी जैन के नेतृत्व में पूजा अर्चना के बाद व्रत की कथा हुई।महाआरती के बाद समापन हुआ । गुलाबी लहरियां की साड़ी पहने महिलाओं ने चातुर्मास स्थलों पर जाकर आचार्य, मुनियों , आर्यिका माताजी के मंगल प्रवचन सुने एवं दर्शन लाभ एवं आशीर्वाद प्राप्त किया ।

श्योपुर दिगंबर जैन मंदिर के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

दिलीप पाटनी अध्यक्ष, नेमी चन्द बाकलीवाल महामंत्री बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर श्योपुर प्रतापनगर की प्रबंधकारिणी समिति के चुनाव कैलाश मलैया के निर्देशन में सम्पन्न हुए जिसमें अध्यक्ष दिलीप पाटनी लांबा हरीसिंह, उपाध्यक्ष मुकेश बनेठा, महामंत्री नेमीचंद बाकलीवाल निमोडिया,कोषाध्यक्ष सतीश जैन माधोराजपुरा,संयुक्त मंत्री उत्तमचंद बरवास, संगठन मंत्री गोविंद जैन टोरडी, भंडार मंत्री अशोक बड़जात्या, सांस्कृतिक मंत्री अजय साह आबूजीवाले, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र छाबड़ा, देवेंद्र जैन बाकलीवाल, ज्ञान चंद जैन,दिनेश बड़जात्या,गौरव पाटनी,कमल पाटनी एवं प्रवीण जैन चुने गए।

जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर द्वारा मानव सेवार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन

81 युनिट रक्त एकत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व की सबसे बड़ी दम्पत्ति सदस्यों की संस्था जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फैडरेशन के नार्दन रीजन के तत्वावधान में जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर द्वारा प्रतापनगर के श्योपुर स्थित चांदनी गार्डन में मानव सेवार्थ रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जेएसजी मेट्रो के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि शिविर का उदघाटन गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी प्रसिद्ध समाजसेवी नरेश मेहता ने किया। इस मौके पर

गौरवमयी अतिथि के रुप में राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, जेएसजीआईएफ मुम्बई के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन, सचिव महेन्द्र गिरधरवाल थे। शिविर में नार्दन रीजन चैयरमेन महेन्द्र सिंघवी, पूर्व चेयरमैन उजास पाण्डया,वाईस चेयरमैन रविन्द्र बिलाला, मुख्य जोन कार्डिनेटर नवीन जैन, डिप्टी पुलिस कमिश्नर दक्षिण विनोद शर्मा, प्रतापनगर थाना इंचार्ज जहीर अब्बास, समाजसेवी अशोक बाकलीवाल,नेमी चन्द बाकलीवाल, राजेश पाण्डया, महेन्द्र कुमार साह आबूजीवाले, पार्षद महेन्द्र शर्मा, जेएसजी मिडटाऊन के अध्यक्ष संजय पाण्डया, संगिनी कैपिटल की अध्यक्ष शकुन्तला पाण्डया, संगिनी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, अध्यक्ष अम्बिका सेठी, निवर्तमान अध्यक्ष मैना गंगवाल, सचिव रेखा पाटनी, कोषाध्यक्ष दीपा गोधा,युवा समाजसेवी अंकित बाकलीवाल, दिव्या बाकलीवाल,मनीष रैणी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। सचिव आशीष जैन सिरोली ने बताया कि शिविर में मनीष-रचना बैद,दीपक -दीपा गोधा, कमल-मंजू वैद ने समन्वयक तथा सुमति -मोना जैन,पवन -निशु जैन , अंकित -अनुप्रिया जैन ने संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी। शिविर उदघाटन के बाद भगवान मुनिसुव्रतनाथ के चित्र के समक्ष सभी अतिथियों, फैडरेशन एवं नार्दन रीजन पदाधिकारियों ने दीप प्रज्जवलन किया। विनोद जैन कोटखावदा के निर्देशन में सामूहिक रूप से विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक उच्चारण किया गया। सभी अतिथियों एवं रक्तदाताओं को माला एवं दुपट्टा,साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। रक्तदाताओं को यातायात सुरक्षा के मध्य नजर हेल्मेट उपहार में दिया गया। शिविर में 81 युनिट रक्तदान हुआ।

एस एस जैन सुबोध बालिका विद्यालय 1990 बैच का तैंतीस वर्ष पश्चात रियूनियन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एस एस जैन सुबोध बालिका सीनियर सेकंडेरी स्कूल ,सांगानेरी गेट से शिक्षित लगभग 33 वर्ष पूर्व 1990 के बैच की छात्राओं द्वारा पुनः मिलन समारोह जयपुर के एक प्रसिद्ध होटल श्री गोविन्दराम बैंक्वेट में मनाया गया। कार्यक्रम संचालिका नीरा लुहाड़िया गोदीका के अनुसार इस कार्यक्रम में उनकी सभी शिक्षिकाओं ने भी शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ तथा स्वागत गीत के पश्चात, कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षिकाओ-श्रीमती आशा जैन,कमल पारीक, दुर्गा व्यास, दुर्गा सक्सेना, प्रतिभा सक्सेना, इंद्रा माथुर, विद्या गुप्ता, अक्षय सक्सेना, शकुंतला उपमन्यु, ज्योत्सना गांधी एवं सीमा जी का स्वागत तिलक लगाके एवं दुपट्टा पहना के किया गया तत्पश्चात उन्होंने अपने उदगार प्रस्तुत किए। तत्कालीन छात्रायें जो आज दादी नानी भी बन चुकी हैं उनके साथ उम्र के इस पड़ाव पर शिक्षिकाओं को भी एक छत के नीचे लाना उत्तम एवं सफल प्रयास रहा। संचालन में

तत्कालीन छात्रायें नीरज माहेश्वरी, अलका जैन गोधा, आशिमा जैन राधा गोयल, सहयोगी रही। करीब पचपन छात्रायें समारोह का हिस्सा बनी और कुछ पलों के लिए बचपन में लौट गयी।

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा के नेतृत्व में अतिशय क्षेत्र गोलाकोट की यात्रा से यात्रा दल जयपुर लौटा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा के नेतृत्व में अपने प्रपौत्र की पहली वर्षगांठ पर जयपुर से गया 50 सदस्यीय यात्रा दल मध्यप्रदेश के अतिशय क्षेत्र गोलाकोट,अतिशय क्षेत्र चमत्कार जी सवाईमाधोपुर की तीन दिवसीय यात्रा कर जयपुर लौट आया। राजस्थान जैन युवा महा सभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि छाबड़ा के नेतृत्व में गये यात्रा दल में चार पीढ़ियों के पचास सदस्य शामिल हुए। यात्रा दल जयपुर से आलनपुर चमत्कार जी पहुंचा जहां भगवान आदिनाथ के दर्शन लाभ प्राप्त किए। क्षेत्र कमेटी की ओर से श्री छाबड़ा का भावभीना स्वागत किया गया। गोलाकोट में श्री छाबड़ा के नेतृत्व में अतिशयकारी भगवान आदिनाथ की प्राचीन प्रतिमा के अभिषेक के बाद मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा का पुण्यार्जन किया। दर्शन लाभ के बाद अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सेवा निवृत्त आई पी एस एस के जैन एवं कार्याध्यक्ष वास्तुविद राकेश चौधरी ने श्री छाबड़ा एवं चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा का शाल ओढ़ाकर एवं णमोकार महामंत्र की चांदी की तस्वीर भेंट कर स्वागत व सम्मान किया। यात्रा दल ने गोलाकोट में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया। नवनिर्मित विशाल मंदिर को देखा तथा इसका मुख्य द्वार एवं दरवाजे आकर्षण का केंद्र रहे। छाबड़ा की चौथी पीढ़ी में प्रपौत्र चिराग, उसके माता-पिता अभिनव -श्रुति,पितामह प्रमोद -अनिला के साथ प्रदीप - चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा सहित यात्रा दल के सदस्यों ने पूरे क्षेत्र परिसर का भ्रमण किया।

आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में रक्षाबंधन महामंडल विधान एवं भक्तामर विधान किया गया

सैकड़ों इंद्र - सेकडों इंद्राणी विधान में बैठे

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। बड़ा गणपति स्थित, मोदी जी की नसिया, इंदौर में आज राष्ट संत आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में रक्षा बंधन महामडल विधान एवं भक्तामबर विधान किया गया। प्रातः भगवान की नित्य पुजन अभिषेक के पश्चात शांति धारा की गई। शांति धारा का सौभाग्य सुनील , अंकित अनुज ,दिवाकर परिवार को प्राप्त हुआ। सर्व प्रथम भक्तामर विधान किया गया, फिर रक्षाबंधन महामंडल विधान किया गया। जैन आगम की मान्यताओं में रक्षाबंधनपर्व की कथा में मुनि विष्णु कुमार द्वारा 700 मुनिराजो की रक्षा की गई थी, इसी के अनुसार जैन धर्मावलंबी रक्षाबंधन का त्यौहार मनाते हैं। आज इसी निमित्त से विधान 700 श्रीफल रक्षाबंधन विधान में समर्पित किए गए। आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ने अपनी देशना में कहा कि हर क्रियाओं का अलग-अलग महत्व है। भक्तामर स्त्रोत में जहां कलश की मुख्यता थी, वही रक्षाबंधन महामंडल विधान में पात्रों की मुख्यता हो गई। गुरु वर ने कहा कि प्रभु का द्वार सबसे सुंदर है। मोदी जी की नसिया में आज ऐसा लग रहा है जैसे स्वर्ग ही उतर कर आ गया हो। आचार्य श्री कहते हैं तेरा द्वार है कितना प्यारा, यही गुजारूं जीवन सारा, हमें आना पड़ेगा दुबारा। आज हम सभी मिलकर भगवान की भक्ति कर रहे हैं, भक्ति वह है, जो बार-बार करने की जरूरत नहीं, एक बार ही सच्चे मन से की गयी भक्ति हमारे जीवन को तार सकती है। भगवान की वंदना करने से जन्मो- जन्मो में उपार्जित कर्म जड़ से नष्ट हो जाते हैं। भक्ति करने से सुंदर रूप की प्राप्ति होती है। वे कहते हैं , सांसों का क्या भरोसा, मिट जाए चलते-चलते। मंच पर विराजित थे मुनि श्री विजयेश सागर जी, मुनि श्री विश्व हर्ष सागर जी महाराज, बाल. ब्र. नीतू दीदी,प्रियंका दीदी,रीना दीदी। अंर्पित जी वाणी द्वारा विधान मैं संचालन किया गया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि एक दिन पहले ही प्रमुख पात्रों का चयन कर लिया गया था, जिसमें सोधर्म इंद्र बने श्री दीपक बंडी, कुबेर इंद्र- श्री राजेश- सरोज जी जैन ,महायज्ञ नायक निर्मल जी- आशीष जी - राजुल जी पांड्या परिवार, ईशान इंद्र बने गिरीश मोदी जी परिवार। अन्य इंद्र थे श्री अभिषेक जी जैन, विपेश जी जैन, मनोज जी सिंघई ,अनिल जी जैन। मंगल कलश स्थापित किया श्री नरेंद्र जी अग्रवाल, आकाश जी पांड्या, राजकुमार जी काला, रितेश जी गोधा, सुनील जी दिवाकर परिवार ने। इस अवसर पर उपस्थित थे दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, योगेंद्र काला, राकेश गोधा, कमल काला, पारस पांड्या नीरज मोदी, ऋषभ पाटनी, आदि। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका एवं रितेश पाटनी का पूरा-पूरा सहयोग इस कार्यक्रम को प्राप्त हो रहा है।

इंडियन मीडिया जर्नलिस्ट्स यूनियन का दसवां वार्षिक सम्मेलन संपन्न

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

इंडियन मीडिया जर्नलिस्ट्स यूनियन (आईएमजेयू) का 10वां वार्षिक सम्मेलन शनिवार को प्रेस क्लब, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।सम्मेलन में आईएमजेयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाला भास्कर ने अपने भाषण में कहा कि आईएमजेयू की शुरूआत 15-08-2013 को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में हुई थी। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन के पत्रकार साथी लगातार देश में पत्रकारों के साथ हो रही विभिन्न घटनाओं पर अपनी नजर रखते हैं और वे अपने संगठन के माध्यम से सरकारों को इनसे अवगत करवाते हैं और इसे विभिन्न मीडिया के माध्यमों से जनता तक पहुंचाया जा रहा है। पत्रकार पेंशन योजना के बारे में जानकारी देते हुए भास्कर ने कहा कि कई राज्यों में वरिष्ठ पत्रकारों को पेंशन मिल रही है परंतु सभी प्रदेशों में नहीं मिलती। हमारा प्रयास है कि सम्पूर्ण देश में राज्य सरकारें इस पेंशन योजना को लागू करें जिससे देश के

वरिष्ठ पत्रकार इसका लाभ उठा सकें। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद महाबल मिश्र ने अपने संबोधन में पत्रकारों को निष्पक्षता के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि जब तक आप निष्पक्ष हैं तब तक आम आदमी का भरोसा मीडिया बना रहेगा। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव रोहिताश सैन ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में लोक मान्यता प्राप्त इस क्षेत्र की विडम्बना यह है कि इसको संवैधानिक मान्यता नहीं है केवल और केवल भाषणों में इसके लिए बोला जाता है जबकि हमारे देश के संविधान में इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। हमारा प्रयास है कि पत्रकारिता को संवैधानिक मान्यता मिले जिससे लोकतंत्र का चतुर्थ स्तम्भ मजबूती के साथ अपना काम कर सके। सैन ने कहा कि लोकतंत्र के अन्य तीन स्तंभ सरकार के माध्यम से सभी लाभों का आनंद ले रहे हैं। पत्रकार अपनी जान जोखिम में डाल कर लगातार खबरें जुटाकर जनता तक पहुंचाता है और इन तीनों स्तम्भों को लंबा माइलेज देता है मगर अफसोस की बात है कि उसको इस मेहनत का कोई प्रतिफल नहीं मिलता। हमने इसके लिए केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि हमारी यूनियन के समाचार/लेख विदेशों तक भी पहुंच रहे हैं। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रवि शास्त्री ने कहा कि आज सभी पत्रकारों को एकजुटता के साथ कार्य करने की जरूरत है उन्होंने इसके लिए सभी प्रदेशों में यूनियन के अधिवेशन करने पर जोर दिया। बैठक को यूनियन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनुराग शुक्ला, संस्थापक सदस्य सौरभ नागराज कर्नाटक, उत्तर प्रदेश के रमेश चंद्र गुप्ता ,उत्तराखंड के राजेश शर्मा, रमन, पंजाब के रमन कतरू, दिल्ली के हरिकृष्ण यादव, राजेन्द्र सोनी, अजय पांडे,वासुदेव मिश्र,उड़ीसा के मनोज दास, सुशील प्रधान समेत अन्य कई पत्रकारों ने भी संबोधित किया।